चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	9.8.23	3	7-8

हथकरघा वस्त्रों के उपयोग को बढ़ावा देने पर बल दिया

हकृवि में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते वक्ता। • पीआरओ

जासं, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवति सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हथकरघा उद्योग को सशक्त बनाना व दुनिया भर में हैंडलूम की पहचान बनाना है, जोकि भारत की सांस्कृतिक विरासत का अहम हिस्सा भी है। इस दौरान परिधान एवं वस्त्र विज्ञान द्वारा 'हथकरघा भारत की एक परम्परागत धरोहर' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता इंदिरा चक्रवति सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डा. मंजू मेहता ने की। उन्होंने खादी एवं हथकरघा वस्त्रों के उपयोग को बढ़ावा देने पर बल दिया और खादी एवं हथकरघा उद्योगों द्वारा राष्ट्र की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ इसके योगदान पर भी प्रकाश डाला। व्याख्यान के दौरान राजकीय महिला महाविद्यालय की एसोसिएट प्रोफेसर डा. शशिकला यादव ने हैंडलूम उत्पादों की उपयोगिता, विशेषताओं और भारत के विभिन्न क्षेत्रों में बनाए जाने वाले हैंडलूम उत्पादों की परम्परागत एवं सांस्कृतिक विरासत विषय पर विस्तृत जानकारी प्रदान की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	9-8-22	5	3

हकृवि में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर मनाया

हिसार, 8 अगस्त (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवति सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हथकरघा उद्योग को सशक्त बनाना व दुनिया भर में हैण्डलूम की पहचान बनाना है, जोकि भारत की सांस्कृतिक विरासत का अहम हिस्सा भी है। इस दौरान परिधान एवं वस्त्र विज्ञान द्वारा 'हथकरघा भारत की एक परम्परागत धरोहर' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता इंदिरा चक्रवति सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता ने की। उन्होंने खादी एवं हथकरघा वस्त्रों के उपयोग को बढ़ावा देने पर बल दिया तथा खादी एवं हथकरघा उद्योगों द्वारा राष्ट्र की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ इसके योगदान पर भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर विभिन्न विभागों की अध्यक्ष डॉ. वीना यादव, डॉ. नीलम एम.रोज, डॉ. संगीता चहल व शिक्षकगण सहित छात्राएं भी मौजूद रही।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	9.8.23	9	1

हकृवि में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ति सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हथकरघा उद्योग को सशक्त बनाना व दुनिया भर में हैंडलूम की पहचान बनाना है। इस दौरान परिधान एवं वस्त्र विज्ञान द्वारा हथकरघा भारत की एक परंपरागत धरोहर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता इंदिरा चक्रवर्ति सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता ने की। इस मौके पर राजकीय महिला महाविद्यालय की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. शशिकला यादव, डॉ. वीना यादव, डॉ. नीलम एम.रोज, डॉ. संगीता चहल आदि मौजूद रहीं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	9.8.23	4	1-2

एचएयू में मनाया राष्ट्रीय हथकरघा दिवस

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य हथकरघा उद्योग को सशक्त बनाना व दुनिया भर में हैंडलूम की पहचान दिलाना रहा। इस दौरान परिधान एवं वस्त्र विज्ञान द्वारा 'हथकरघा भारत की एक परंपरागत धरोहर' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। उन्होंने खादी एवं हथकरघा वस्त्रों के उपयोग को बढ़ावा देने पर बल दिया और खादी एवं हथकरघा उद्योगों द्वारा राष्ट्र की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ इसके योगदान पर भी प्रकाश डाला। राजकीय महिला महाविद्यालय की प्रोफेसर डॉ. शशिकला यादव ने हैंडलूम उत्पादों की उपयोगिता, विशेषताओं की जानकारी प्रदान की। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	9-8-23	3	1

हकृवि में मनाया राष्ट्रीय हथकरघा दिवस

हिसार, 8 अगस्त (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवति सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हथकरघा उद्योग को सशक्त बनाना व दुनिया भर में हैंडलूम की पहचान बनाना है, जोकि भारत की सांस्कृतिक विरासत का अहम हिस्सा भी है।

इस दौरान परिधान एवं वस्त्र विज्ञान द्वारा 'हथकरघा भारत की एक परम्परागत धरोहर' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता इंदिरा चक्रवति सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता ने की। उन्होंने खादी एवं हथकरघा वस्त्रों के उपयोग को बढ़ावा देने पर बल दिया तथा खादी एवं हथकरघा उद्योगों द्वारा राष्ट्र की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ इसके योगदान पर भी प्रकाश डाला।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	9-8-23	2	5

हकृवि में विशेषज्ञों ने हथकरघा वस्त्रों के उपयोग पर दिया बल

हिसार| चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हथकरघा उद्योग को सशक्त बनाना व दुनिया भर में हैंडलूम की पहचान बनाना है, जोकि भारत की सांस्कृतिक विरासत का अहम हिस्सा भी है। इस दौरान परिधान एवं वस्त्र विज्ञान द्वारा 'हथकरघा भारत की एक परम्परागत धरोहर' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता इंदिरा चक्रवती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता ने की। उन्होंने खादी एवं हथकरघा वस्त्रों के उपयोग को बढ़ावा देने पर बल दिया और खादी एवं हथकरघा उद्योगों द्वारा राष्ट्र की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ इसके योगदान पर भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर विभिन्न विभागों की अध्यक्ष डॉ. वीना यादव, डॉ. नीलम एम.रोज, डॉ. संगीता चहल आदि उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	9-8-23	5	7

हकृवि में मनाया राष्ट्रीय हथकरघा दिवस

हिसार (सच कहूँ न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवति सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हथकरघा उद्योग को सशक्त बनाना व दुनिया भर में हैण्डलूम की पहचान बनाना है, जोकि भारत की सांस्कृतिक विरासत का अहम हिस्सा भी है। इस दौरान परिधान एवं वस्त्र विज्ञान द्वारा हथकरघा भारत की एक परम्परागत धरोहर विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	08.08.2023	--	--

एचएयू में मनाया राष्ट्रीय हथकरघा दिवस

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ति सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हथकरघा उद्योग को सशक्त बनाना व दुनिया भर में हैण्डलूम की पहचान बनाना है, जोकि भारत की सांस्कृतिक विरासत का अहम हिस्सा भी है। इस दौरान परिधान एवं वस्त्र विज्ञान द्वारा 'हथकरघा भारत की एक परम्परागत धरोहर' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता ने की। उन्होंने खादी एवं हथकरघा वस्त्रों के उपयोग को बढ़ावा देने पर बल दिया तथा खादी एवं हथकरघा उद्योगों द्वारा राष्ट्र की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ इसके योगदान पर भी प्रकाश डाला। व्याख्यान के दौरान राजकीय महिला महाविद्यालय की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. शशिकला यादव ने हैण्डलूम उत्पादों की उपयोगिता, विशेषताओं तथा भारत के विभिन्न क्षेत्रों में बनाए जाने वाले हैण्डलूम उत्पादों की परम्परागत एवं सांस्कृतिक विरासत विषय पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर विभिन्न विभागों की अध्यक्ष डॉ. वीना यादव, डॉ. नीलम एम.रोज, डॉ. संगीता चहल व शिक्षकगण सहित छात्राएं भी मौजूद रहीं।

स्कूल में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते वक्ता।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	08.08.2023	--	--

हथकरघा दिवस : खादी एवं हथकरघा वस्त्रों के उपयोग पर दिया बल

नभ-छोर न्यूज ⏭ 08 अगस्त

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवति सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हथकरघा उद्योग को सशक्त बनाना व दुनिया भर में हैण्डलूम की पहचान बनाना है, जोकि भारत की सांस्कृतिक विरासत का अहम हिस्सा भी है। इस दौरान परिधान एवं वस्त्र विज्ञान द्वारा हथकरघा भारत की एक परम्परागत धरोहर विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता डॉ. मंजू मेहता ने की। उन्होंने खादी एवं हथकरघा वस्त्रों के उपयोग को बढ़ावा देने पर बल दिया तथा खादी एवं हथकरघा उद्योगों द्वारा

राष्ट्र की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ इसके योगदान पर भी प्रकाश डाला। एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. शशिकला यादव ने हैण्डलूम उत्पादों की उपयोगिता, विशेषताओं तथा भारत के विभिन्न क्षेत्रों में बनाए जाने वाले हैण्डलूम उत्पादों की परम्परागत एवं सांस्कृतिक विरासत विषय पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर डॉ. वीना यादव, डॉ. नीलम एम.रोज, डॉ. संगीता चहल आदि मौजूद थी।